12-9-2001

साइलेन्स की शक्ति द्वारा

आत्माओं को और प्रकृति को विशेष सहयोग दो

आज बापदादा के पास गई, बापदादा बहुत शक्ति रूप और स्नेही रूप से मिलन मनाते बोले, बच्ची क्या सन्देश लाई हो? मैं मुस्कराते बोली, बाबा आप तो जानते ही हो - बाबा बोले, बच्ची बापदादा तो सदा कहते रहते हैं - एवररेडी रहो लेकिन साथ में यह प्रकृति भी समय समीप का इशारा देने लिए घण्टे बजाती रहती है। यह थोड़ी बड़ी घण्टी बजाई है कि बच्चे अलबेलेपन से अलर्ट हो जाएं। बाकी तो प्रकृति द्वारा विनाश का साधन है साइन्स, आप स्थापना वालों का साधन है - साइलेन्स। इसलिए जैसे वह फोर्स से कर रहे हैं ऐसे आप भी और योगयुक्त, कर्मयोगी स्थिति का ज़ोर-शोर से पावरफुल याद का स्वयं द्वारा वायुमण्डल बनाओ। डरो नहीं। बाकी अमेरिका में शहर के नजदीक से दूर कुछ दिन चले जाएं। बापदादा ने तो सब जगह अच्छे-अच्छे रिट्रीट स्थान बनवाये हैं - बच्चों के एशलम के लिए। इसलिए आप अपने साइलेन्स की शक्ति द्वारा विशेष आत्माओं को, प्रकृति के वायुमण्डल को सहयोग दो। परेशान आत्माओं को अपने शक्ति रूप की शान की स्थिति द्वारा सहयोग दो। यह तो छोटी-बड़ी घण्टियां बजनी ही हैं - आपको अपना कार्य तीव्रगति से कराने लिए। अचल रहो, अडोल रहो, श्रेष्ठ वायुमण्डल बनाने का सहयोग दो।